Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding connectivity of Sarnath, Kushinagar, Kapilvastu and Shravasti with from laned National highway.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : अध्यक्ष जी, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की अनुज्ञा दी है। जब आज पूरी दुनिया में तनाव और हिंसा बढ़ रही है, तो गौतम बुद्ध आज और प्रासंगिक हो रहे हैं। दुनिया के अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर, चाहे वह आसियान हो, चाहे वह दावोस हो, चाहे वह यूनाइटेड नेशन्स हो, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि दुनिया ने तो युद्ध दिया होगा, लेकिन भारत ने हमेशा गौतम बुद्ध दिया है। इसका तात्पर्य यह है कि शांति, अहिंसा, करुणा और ममता का संदेश पूरी दुनिया में जाता है।

यह सौभाग्य है कि गौतम बुद्ध जी से जुड़े हुए चार महत्वपूर्ण स्थान, वाराणसी का सारनाथ, कुशीनगर, जहां उनकी निर्वाण स्थली है, उनकी जन्मस्थली कपिलवस्तु जो सिद्धार्थनगर में है और श्रावस्ती जहां उन्होंने अपने सबसे ज्यादा बसंत बिताए हैं। इन चारों महत्वपूर्ण स्थानों पर गौतम बुद्ध को मानने वाले दुनियाभर से लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करना चाहता हूं कि आज वक्त का यह तकाजा है कि सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु और श्रावस्ती को फोर लेन के नेशनल हाइवे से जोड़ा जाए, ताकि दुनियाभर से आने वाले पर्यटकों को सहूलियत मिल सके। कपिलवस्तु जो उनकी जन्मस्थली है, जहां भारत का एक संग्रहालय है, गौतम बुद्ध का अस्थि कलश जो यहां के एक संग्रहालय में रखा हुआ है, क्योंकि पर्यटक वहां पर आते हैं। वे उसका दर्शन कर सकें, तो उस जगह पर उसको स्थापित किया जाए। मैं आपके माध्यम से ऐसी मांग करता हूं।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री मलूक नागर और श्री कुलदीप राय शर्मा को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।